**语文模拟卷十八**

**一、积累与运用（共20分）**

1．把文中加点字的注音和拼音所表示的汉字填在指定方格内。（2分）

茫茫沙漠，滔滔流水，于世无奇。唯有大漠中如此一湾，风沙中如此一静，荒凉中如此一景，高坡后如此一跌，才深得天地之韵律，造化之机巧，让人神醉情chí（ ）。以此推衍（ ），人生、世界、历史，莫不如此。给浮xīao（ ）以宁静，给躁急以清liè（ ），给高蹈以平实，给粗犷（ ）以明丽。唯其这样，人生才见灵动，世界才显精致，历史才有风韵。

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 注音 |  |  | 填字 |  |  |  |

2．下列有关名著的表述，不正确的两项是（3分）（ ）（ ）

A.《朝花夕拾》最初在《莽原》发表时，题为《旧事重提》，是鲁迅先生1926年所作的回忆性散文集，共10篇。

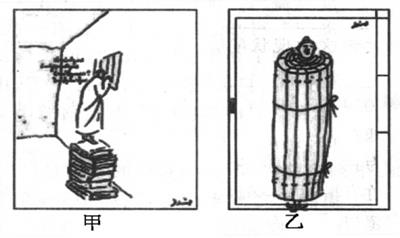
B.《简﹒爱》这部小说塑造了一个独特的女性形象。在桑菲尔德庄园，她爱上了男主人罗切斯特，虽然地位悬殊，但她依然敢于追求爱情，最终与罗切斯特一同在巴黎过上了幸福生活。

C.《简爱》按照时间顺序写了主人公四个主要地方的生活，这四个地方分别是舅妈家里、 洛伍德学校、桑菲尔德庄园、圣约翰家。

D.《水浒传》中“豹子头”林冲在风雪山神庙,误入白虎堂，沂岭杀四虎后，终被逼上梁山。

E.《水浒传》中“呼保义”是宋江绰号之一，这个绰号既表现宋江的谦虚（“保义”是宋代最低武官名），又表现其对朝廷和皇帝保持忠义的态度。

 3.下边两幅漫画的题目都叫“读书”，请仔细欣赏，任选一幅分析它的寓意。（2分）



我选 幅，它告诉我们 学科网(www.zxxk.com)--教育资源门户，提供试卷、教案、课件、论文、素材及各类教学资源下载，还有大量而丰富的教学相关资讯！

4．下列关于语法知识的表述，有误的一项是（ ）。（3分）

A. 只有几个赤膊的人翻，翻了一阵，都进去了，接着走出一个小旦来，咿咿呀呀地唱”，该句是承接复句。

B. “脉络清晰”“讲得生动”“布局谋篇”“确定立意”四个短语的类型均不相同。

C. 我的心在瘦弱的胸腔中怦怦地跳动。（划线词语的词性分别为代词、动词、拟声词和动词）

D. “拙作、舍弟、寒舍、见教、小儿、愚兄”，这些都是常见的谦辞。

5.综合性学习。（4分）

[材料一]2020年3月31日，四川西昌发生森林火灾，19人遇难。而就在2019年的同一天，四川凉山州木里县境内也发生森林火灾。为防止火势蔓延，凉山689名消防员和地方扑火队员，在海拔4000米的原始森林里，与熊熊大火展开殊死搏斗。转场途中，受瞬间风力风向突变影响，突遭火山爆燃，牺牲了30人。他们堪称是"中国硬汉"。

[材料二]不知从何时开始，男性也进入了美颜时代。由“嫩”到“美”进而“娘”，时下某些所谓“小鲜肉”偶像形象与做派真是令人错愕。一个开放多元的社会，审美自可参差多态，各得其所。然而，凡事都应有度，越过底线就会走向反面——不是审美，而是“审丑”。

[材料三]一段时间以来，在全国抗击新冠肺炎疫情第一线，涌现出很多令人钦佩的抗疫英雄。疫情还不明朗时敢于第一时间拉响警报的张继先、80多岁高龄还深入一线的钟南山院士、性格率直敢讲真话的“硬核医生”张文宏、极度疲惫坐在地上打盹的护士、每天接送数十名患者的社区干部、冒着感染风险在疫情火线穿越的送餐员......

（1）阅读材料一，请你使用一种修辞写一句话礼赞这些平民英雄，以此表达你的景仰之情。

示例：你们悲壮的身影，踏上无畏的硝烟之路；你们悲壮的陨落，擎起他人的生命之舟；你们悲壮的义举，构筑时代的精神高地。在我们心中，你们最美。

学科网(www.zxxk.com)--教育资源门户，提供试卷、教案、课件、论文、素材及各类教学资源下载，还有大量而丰富的教学相关资讯！

（2）习近平总书记曾指出，一个有希望的民族不能没有英雄；一个有前途的国家不能没有先锋。根据材料，说说新时代下我们该树立怎样的偶像观。（2分）

学科网(www.zxxk.com)--教育资源门户，提供试卷、教案、课件、论文、素材及各类教学资源下载，还有大量而丰富的教学相关资讯！

6．默写。（6分）

（1）箫鼓追随春社近， 。（陆游《游山西村》）

（2） ，愁云惨淡万里凝。（岑参《白雪歌送武判官归京》）

（3）四面竹树环合，寂寥无人， ， 。（柳宗元《小石潭记》）

（4）离愁是对相聚的期盼，正如李商隐在《夜雨寄北》中所写 ，

。

1. **阅读理解（共40分）**

**（一）阅读两个文言选段，完成7－10题。（共13分）**

【甲】今诸生学于太学，县官日有廪稍之供，父母岁有裘葛之遗，无冻馁之患矣；坐大厦之下而诵《诗》《书》，无奔走之劳矣；有司业、博士为之师，未有问而不告、求而不得者也；凡所宜有之书，皆集于此，不必若余之手录，假诸人而后见也。其业有不精、德有不成者，非天质之卑，则心不若余之专耳，岂他人之过哉？

  东阳马生君则，在太学已二年，流辈甚称其贤，余朝京师，生以乡人之子谒余，撰长书以为贽，辞甚畅达。与之论辨，言和而色夷。自谓少时用心于学甚劳，是可谓善学者矣!其将归见其亲也，余故道为学之难以告之。谓余勉乡人以学者，余之志也；诋我夸际遇之盛而骄乡人者，岂知予者哉! （选自宋濂《送东阳马生序》）

【乙】儿自去国至今，为时不过四月，何携去千金业皆散尽？是甚可怪!汝此去，为求学也。求学宜先刻苦，又不必交友酬应。千金之资，亦足用一年而有余，何四月未满即已告罄？苟汝在理应用者，虽每日百金，力亦足以供汝。汝如此浪费，必非饮食之豪，起居之阔，必另有所销耗。吾儿恃有汝父庇荫，然亦当稍知稼穑①之艰难，尽其求学之本分。非然者，即学成归国亦必无一事能为。今汝若此，余今而后恐无望于汝矣!用钱事小，而因之息弃学业，损耗精力，虚度光阴，则国甚大也。余前曾致函戒汝，须努力用功，何竟忘之？光阴可贵，求学不易，此中甘苦，应自知之，毋负老人训也。

（选自张之洞《复儿子书》，有改动）

【注】①稼穑（sè）：指农业劳动

1. 解释下列加点的词语。（4分）

假诸人而后见（ ） 言和而色夷（ ）

儿自去国至今（ ） 毋负老人训也（ ）

8.用现代汉语写出下列两个句子的意思。（5分）

（1）生以乡人之子谒余，撰长书以为贽，辞甚畅达。

1. 苟汝在理应用者，虽每日百金，力亦足以供汝。

9．《论语·学而》中说：“君子食无求饱，居无求安，教于事而慎于言，就有道而正焉，可谓好学也已。”请结合【甲】【乙】两文谈谈对此的理解。 （2分）

学科网(www.zxxk.com)--教育资源门户，提供试卷、教案、课件、论文、素材及各类教学资源下载，还有大量而丰富的教学相关资讯！

10．对两个选段有关内容的理解和分析，不正确的一项是（2分）（ ）

A. 甲文中宋濂觉得年轻人生活和读书条件与自己比起来都过于优越，这反而不利于他们的学习和成长，这是造成年轻人学业不精而且品德出现偏差的主要原因。

B.甲文中作者通过现身说法表明：知识的积累，精神的充实，是学子读书的必备条件。

C.甲文“不必若余之手录”和乙文“饮食之豪”中的“之”意思和用法不同。

D.乙文体现了张之洞对儿子要求严格，但严中有爱。

**（二）阅读文章，完成11～14题。（共12分）**

**快乐的鱼和忧伤的蝴蝶**

骆玉明  
　　《逍遥游》中的大鹏也许是中国文学里最为气势恢弘的意象。它从巨大的鲲鱼变化为鸟，在海面上展开不知有几千里宽广的翅膀，激起三千里高的巨浪，拍击着海上的飙风，上升到九万里的高空，俯视一片苍苍茫茫的大地，从北海飞向南海。没有任何东西能够阻遏大鹏的飞翔，那是对自由的想象。  
　　庄子的日子过得颇为清苦，常常是面黄肌瘦，一度织履为生。或许正是在某一天，他身背一捆麻鞋上集市叫卖，旧布大袍空荡荡飘在风里，眉头紧锁，忽然仰望云天，眼前幻化出大鹏翱翔于九天之上的壮丽景观，他叹息了吗？  
　　在江南的园林中，少不了曲折的河流池塘，养着悠闲的鱼儿；水岸边少不了长廊或者小亭，那是供人凭栏观赏鱼儿嬉游的地方。有时在那些长廊或小亭中会见到一方匾，大抵是写了“鱼乐”这样的字面，那也是出自《庄子》的典故。  
　　庄子和他的朋友惠施在濠水的桥上游玩。庄子说：“鱼悠悠然游于水中，这是鱼的快乐啊！”惠子质疑：“你不是鱼，怎么知道鱼是快乐的？”庄子反诘：“你不是我，怎么知道我不知鱼的快乐？”  
　　 这后面有一段诡辩式的申论，我们不去管它，关键一句，是庄子最后所说“我知之濠上也”（我是在濠水边上知道的）。也就是说，所谓“鱼乐”归根结底是庄子自己情感体验的结果。鱼在水中游动，姿态轻灵而敏捷。人在观赏鱼儿时，内心中自觉或不自觉地模仿了它的动作，自己好像已经变成了一条鱼儿，充溢着自由无碍、活泼欢畅的快感，这时候，当然觉得鱼是快乐的。这快乐其实来自人的内心，与鱼究竟是否快乐并无关系。同时，这种感性活动又纯粹是个人性的，无法也没有必要在不同的两个人之间达成一致。两位哲学家争辩“鱼是否快乐”，实在是找错了题目。  
　　庄子说鱼是快乐的，这也是一种对内在自由的体验。进一步说，在道家思想中，当人摆脱了社会权力、规则、思想的约制，当人不再挂念俗世的得失与荣辱，孤独而又无所羁绊地面对大自然时，他得以回复到自由的天性。和人的社会性存在不同，自然是自在自足无外求的存在，它是“道”的外现，也是自由的依据。  
　　东晋简文帝司马昱受制于权臣桓温，做皇帝了无趣味。一日入华林园，游览中回头对左右说：“会心处不必在远，翳然林水，便自有濠、濮间想也，觉鸟兽禽鱼自来亲人。”这里“濠”就是指庄子与惠施游于濠上说鱼之乐的故事，“濮”是庄子的另一则故事：他在濮水边钓鱼，拒绝了楚威王使者的重金礼聘。  
　　但自由如果仅仅是精神性的，如果只能寄托于云天之外，寄托于春花秋叶，鸟飞鱼跃，山峙水流，人又怎么去应对他的现实生活呢？权力和由此派生的规则并不会因为你的美妙幻想而消失，它的丑陋粗暴而刚强。  
　　《庄子》书里，《齐物论》一篇用了深刻的辩析来论证人世根本的虚幻性。人们争执不休的道理只是些没有意义的言辞，不但是非的对立是虚妄的，就连梦与觉、生与死的对立，也是虚妄的。文章用寓言做结尾，它是中国最有名的寓言之一；“人生如梦”是句说滥了的老话，其原始出处就在这里：  
　　庄周梦见自己成为一只蝴蝶了，那就是翩翩飞舞的蝴蝶，并不知道自己是庄周；忽然醒来，又是一个僵卧的庄周。这一变化中，到底是蝴蝶梦见自己变成了庄周，还是庄周梦见自己变成了蝴蝶？两者之中，究竟哪一个才是真实的存在？  
　　人如果不能在现实中一寸一分地坚持自由的权利，争取自由意志的实现，便无从把握生命的流变，最终只能把整个世界和全部人生描写为巨大的虚幻。而纯粹的虚幻又令人晕眩，于是转而寻求美感的存在。所以如梦的人生，有时有大鹏翱翔，有时有快乐的鱼，有时有忧伤的蝴蝶。

              （选自《瞭望东方周刊》）

1. 作者为什么说“两位哲学家争辩‘鱼是否快乐’，实在是找错了题目”？请依据原文，分点作答。（3分）

12．第七自然段中引用了东晋简文帝司马昱的话，有哪些作用？（3分）

13．文中指出“没有任何东西能够阻遏大鹏的飞翔，那是对自由的想象”，请联系学过的《北冥有鱼》，用自己的语言描绘一下“逍遥游”的境界，并简要评述道家这种思想的积极意义（或消极影响）。（4分）

14．下列各项说法中，不符合文意的一项是（ ）（2分）  
　　 A．自然是“道”的外现，也是自由的依据；与自然不同，“社会”的人不是自在自足无外求的存在。  
　　 B．作者对于“不能在现实中一寸一分地坚持自由的权利，争取自由意志的实现”的行为持否定态度。  
　　 C．庄子在濮水边钓鱼，拒绝了楚威王使者的重金礼聘，这体现了他追求的仅仅是“寄托于云天之外”的“精神性”的自由。  
　　 D．篇末的“所以如梦的人生，有时有大鹏翱翔，有时有快乐的鱼，有时有忧伤的蝴蝶”，具有总结全文的作用。  
**（三）阅读散文，完成15～19题。（共15分）[来源:Zxxk.Com]**

**泥泞**

迟子建

①北方的初春是肮脏的，这肮脏当然缘自于我们曾经热烈赞美过的纯洁无瑕的雪。在北方漫长的冬季里，寒冷催生了一场又一场的雪，它们自天庭伸开美丽的触角，纤柔地飘落到大地上，使整个北方沉沦于一个冰清玉洁的世界中。如果你在飞雪中行进在街头，看着枝条濡着雪绒的树，看着教堂屋顶的白雪，看着银色的无限延伸着的道路，你的内心便会洋溢着一股激情：为着那无与伦比的壮丽或者是苍凉。

②然而春风来了。春风使积雪融化，它们在消融的过程中容颜苍老、憔悴，仿佛一个即将撒手人寰的老妇人：雪在这时候将它的两重性毫无保留地暴露出来：它的美丽依附于寒冷，因而它是一种静止的美、脆弱的美；当寒冷已经成为西天的落霞，和风丽日映照它们时，它的丑陋才无奈地呈现。

③纯美之极的事物是没有的，因而我还是热爱雪。爱它的美丽、单纯，也爱它的脆弱和被迫的消失。当然，更热爱它们消融时给这大地制造的空前的泥泞。小巷里泥水遍布；排水沟因为融雪后污水的加入而增大流量，哗哗地响；燕子在潮湿的空气里衔着湿泥在檐下筑巢；鸡、鸭、鹅、狗将它们游荡小巷的爪印带回主人家的小院，使院子里印满无数爪形的泥印章，宛如月下松树庞大的投影；老人在走路时不小心失了手杖，那手杖被拾起时就成了泥手杖；孩子在小巷奔跑嬉闹时不慎将嘴里含着的糖掉到泥水中了，他便失神地望着那泥水呜呜地哭，而窥视到这一幕的孩子的母亲却快意地笑起来……

④这是我童年时常常经历的情景，它的背景是北方的一个小山村，时间当然是泥泞不堪的早春时光了。

⑤我热爱这种浑然天成的泥泞。

⑥泥泞常常使我联想到俄罗斯这个伟大的民族，罗蒙诺索夫、柴可夫斯基、陀思妥耶夫斯基、托尔斯泰、蒲宁、普希金就是踏着泥泞一步步朝我们走来的。俄罗斯的艺术洋溢着一股高贵、博大、阴郁、不屈不挠的精神气息，不能不说与这种春日的泥泞有关。泥泞诞生了跋涉者，它给忍辱负重者以光明和力量，给苦难者以和平和勇气？一个伟大的民族需要泥泞的磨砺和锻炼，它会使人的脊梁永远不弯，使人在艰难的跋涉中懂得土地的可爱、博大和不可丧失，懂得祖国之于人的真正含义：当我们爱脚下的泥泞时，说明我们已经拥抱了一种精神。

⑦如今在北方的城市所感受到的泥泞已经不像童年时那么深重了：但是在融雪的时节，我走在农贸市场的土路上，仍然能遭遇那种久违的泥泞。泥泞中的废纸、草屑、烂菜叶、鱼的内脏等等杂物若隐若现着，一股腐烂的气味扑入鼻息。这感觉当然比不得在永远有绿地环绕的西子湖畔撑一把伞在烟雨淳淳中耽于幻想来得惬意，但它仍然能使我陷入另一种怀想，想起木轮车沉重地辗过它时所溅起的泥珠，想起北方的人民跋涉其中的艰难的背影，想起我们曾有过的苦难和屈辱，我为双脚仍然能触摸到它而感到欣慰。

⑧我们不会永远回头重温历史，我们也不会刻意制造一种泥泞让它出现在未来的道路上，但是，当我们在被细雨洗刷过的青石板路上走倦了，当我们面对着无边的落叶茫然不知所措时，当我们的笔面对白纸不再有激情而苍白无力时，我们是否渴望着在泥泞中跋涉一回呢？为此，我们真应该感谢雪，它诞生了寂静、单纯、一览无余的美，也诞生了肮脏、使人警醒给人力量的泥泞。因此它是举世无双的。

15.文章重点写泥泞，在开头花了不少笔墨描写雪，这样写有哪些作用？(3分)

16.阅读文章②③两段，说说“美丽”、“丑陋”的含义各是什么。雪的两重性使作者感悟到了什么深刻的道理？(4分)

17.对文章第⑤段划线句子，你是如何理解的?(3分)

18.文章第⑥段说作者在融雪的季节，走在农贸市场久违的泥泞路上．为什么会陷人另一种怀想?(3分)

1. 作者说“渴望在泥泞中走一回”，这句话有怎么的深意。（2分）

**三、作文（共60分）**

20.古诗云：“曲径通幽处”。走向自然深处，你会领略更独特的意蕴；走向内心深处，你会收获更深入的认识；走向社会、文化深处，你会感悟到更深厚的内涵……

请以“曲径通幽处”为题，写一篇文章。

要求：①要有自己的经历、体验和感悟，不得抄袭；②除诗歌、戏剧外，文体不限；③不少于600字；④请勿透露考生个人信息。

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

200

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

400

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

600

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |